हरिभूमि (Haribhoomi)

(संस्करण– भिलाई)

दिनॉक (Dated): 13.06.2025	पृष्ठ सं0(Page No). 05	क्रम सं0 (Serial No)

सीआईएसएफ भिलाई की बड़ी उपलब्धि, हर क्षेत्र में गुणवत्ता को परखने के बाद दी मान्यता

सीआईएसएफ को अति उत्तम स्तर की मान्यता व 2-स्टार ग्रेडिंग, ट्रेनिंग के मामले में देश में बेहतर सेंटरों में शुमार

कार्नर न्यूज

भिलाई। सीआईएसएफ के भिलाई प्रशिक्षण केंद्र ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसे कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन के नेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर सिविल सर्विसेज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स के तहत प्रतिष्ठित अति उत्तम स्तर की मान्यता प्रदान की गई है। यह मान्यता भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के सेवानिवृत्त अपर महानिदेशक और लीड ऑनसाइट मूल्यांकनकर्ता वेंकटेश्वर राव और सीबीसी के विशेषज्ञों की टीम मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रदान की है। इस मूल्यांकन में संस्थान की संरचित शासन व्यवस्था, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, फैकल्टी विकास एवं डिजिटलीकरण को विशेष रूप से परखा गया। मुख्य रूप से प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन एवं पाठ्यक्रम डिजाइन, फैकल्टी विकास, संसाधन एवं प्रशिक्षण लक्ष्य, प्रशिक्षु सहायता, डिजिटलीकरण एवं प्रशिक्षण वितरण, सहयोग और समन्वय, प्रशिक्षण मूल्यांकन एवं गुणवत्ता आश्वासन, संचालन एवं प्रशासन का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन में 64.4 का स्कोर प्राप्त हुए, जिसके आधार पर अति उत्तम ग्रेडिंग और 2-स्टार मान्यता प्रदान की गई।

उत्कृष्टता की विरासत और आधुनिक संरचना का समावेश

सीआईएसएफ का भिलाई सबसे पुराना और आधारभूत प्रशिक्षण केंद्र है। समय के साथ इसने आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढाला। उच्चतम अनुशासन एवं व्यावसायिक मानकों को बनाए रखा। स्मार्ट कक्षाएं, सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल, हथियार एवं सामरिक प्रशिक्षण की समर्पित सुविधाएं, अनुभवी फैकल्टी कैडर के लिए भिलाई की पहचान है। यहां डिजिटल लर्निंग, आंकड़ों पर आधारित मूल्यांकन और प्रशिक्षु कल्याण को भी उच्च प्राथमिकता दी जाती है। यह ग्रेडिंग भारत की सुरक्षा संरचना को आकार देने में केंद्र की निरंतर प्रासंगिकता, ऐतिहासिक महत्व और दूरदर्शी दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में दे रहे सेवा

भिलाई में प्रशिक्षण प्राप्त जवान और अधिकारी देश के अलग-अलग हिस्सों में सेवा दे रहे हैं। उनकी तैनाती सुरक्षा लिहाज से की गई है। सीआईएसएफ का मुख्य कार्य देश की औद्योगिक और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना है। यह केंद्र सरकार के अधीन काम करता है। इसका गठन 1969 में किया गया था. सीआईएसएफ सरकारी और कुछ निजी उपक्रमों, जैसे हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, और ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। सीआईएसएफ का अपना एक अग्निशमन विंग भी है, जो औद्योगिक प्रतिष्ठानों में आग को रोकथाम और नियंत्रण के लिए कार्य करता है। सीआईएसएफ कर्मचारियों को भी सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे वे सुरक्षित और संरक्षित रह सकें। सीआईएसएफ आंतरिक सुरक्षा के लिए भी काम करता है, जिसमें दिल्ली मेट्रो और संसद भवन की सुरक्षा शामिल है। इसके अलावा वीआईपी सुरक्षा भी प्रदान करता है, जिसमें विभिन्न व्यक्तियों की सुरक्षा शामिल है। सीआईएसएफ खुफिया जानकारी और निगरानी में भी शामिल है, जो महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में मदद करता है।